विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 16, वर्ष 5, अंक 52 माह - अप्रैल 2023, मूल्य : नि:शुल्क

स्वावलंबन

गांव शहर की एक पुकार उद्यमिता और स्वरोजगार

पुस्तक विमोचन

संस्था सदस्य व इन्टर्न द्वारा लिखी गई हेल्थ केयर पुस्तक

आत्मा फाउंडेशन

कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का हिस्सा बनी समिति

स्वरोजगार

7 महिलाओं ने प्राप्त की 15000 रुपये की सीड फंडिंग

संयुक्त राष्ट्र वॉटर कॉन्फ्रेंस

समिति सचिव आकांक्षा मलैया का योगदान

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष

सुनीता अरिहंत
कार्यकारी अध्यक्ष

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष

आकांक्षा मलैया
सचिव

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी

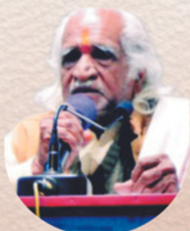

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयाँश जैन
मार्गदर्शक

गुलज़ारी लाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

डॉ. स्वप्निल बी. मंत्री
मार्गदर्शक

स्वावलंबन की ओर बढ़ता भारत

गांव शहर की एक पुकार उद्यमिता और स्वरोजगार

कपिल मलैया

आज भारत की युवा शक्ति विश्व में सबसे बड़ी है। 52 करोड़ युवा हमारे देश में रोजगार की तलाश में है। यह युवा फौज उद्योग, धंधे स्थापित कर स्वयं की आर्थिक प्रगति कर सकती है एवं साथ ही अपने स्थानीय क्षेत्र की आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

स्थानीय उद्योग एवं रोजगार स्थाई आर्थिक प्रगति दे सकता है। इस तरह से स्थापित किये गए उद्योग, स्वरोजगार आने वाली पीढ़ियों तक चलते हैं। इस तरह यह परिवार अपनी सामाजिक व सांस्कृतिक जड़ें जमा पाता है एवं सुखी समृद्ध जीवन जीता है। इसलिए स्थानीय रोजगार हर तरह से बाहर जाकर रोजगार या स्वरोजगार से ज्यादा अच्छा है। ऐसा परिवार अपने आसपास के लोगों की प्रगति में भी सहयोगी हो पाता है।

ज्यादातर युवा यह इच्छा रखते हैं कि काश वे भी स्थानीय स्तर पर कुछ उद्योग, धंधा या रोजगार कर पाते। उन्हें यह भ्रम रहता है कि उद्योग धंधा स्थापित करने के लिए बहुत ज्यादा पूंजी या संसाधन या पहले से जमी हुई साख की आवश्यकता है। यह धारणा सच्चाई से बिल्कुल अलग है।

जिस तरह नौकरी पाने वाले की चाह में युवा कोचिंग इत्यादि पर अपना समय व पैसा लगाता है अगर उसी तरह वह अपना समय व धन शुरुआत से उद्योग धंधे में लगाये तो निश्चित सफलता मिलेगी व नौकरी के मुकाबले सफलता की संभावना उद्योग, धंधे में ज्यादा रहेगी।

सब प्रयासों के बावजूद नौकरी पाने में बहुत कम लोग सफल हो पाते हैं। अगर उतना ही प्रयास स्थानीय उद्योग के लिए किया जाए तो सफलता की संभावना कई गुना ज्यादा है।

युवाओं को इस कार्य में सहयोग व मार्गदर्शन के लिए एक राष्ट्रव्यापी संगठन की आवश्यकता थी। इसलिए स्वावलंबी भारत अभियान के रूप में राष्ट्रीय आंदोलन खड़ा किया गया है। इसके तहत उद्योग, स्वरोजगार स्थापित करने में मदद के लिए देश के प्रत्येक जिले में रोजगार केंद्र की स्थापना की जा रही है।

अपने सागर जिले में भी रोजगार सृजन केंद्र की स्थापना विचार कार्यालय में की गई है। आप मदद के लिए यहां संपर्क कर सकते हैं। केंद्र संचालक रविन्द्र सिंह ठाकुर है।

वैश्विक जल संकट को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र की बैठक में विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने लिया हिस्सा

संयुक्त राष्ट्र न्यूयॉर्क की बैठक में आदित्य सिंह, कुणाल मंडल, दिव्या हेगड़े, मेघना मुसुनुरी, लक्ष्मी अन्नपूर्णा चिंतलुरी और हर्षिता उमेश के साथ विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया।

संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक जल संकट को दूर करने के लिए संयुक्त राष्ट्र जल सम्मेलन 22 से 24 मार्च तक संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयॉर्क में आयोजित किया गया। यह सम्मेलन सुरक्षित-पानी, स्वच्छता तक पहुंच, स्वास्थ्य और कल्याण बुनियादी मानवीय आवश्यकता एवं अधिकार के मुद्दों के लिए रखा गया था। दुनियाभर के करीब 2 अरब लोगों के पास अभी भी साफ-सुरक्षित पानी की सुविधा नहीं है। 80% अपशिष्ट ऐसे ही पर्यावरण में मिल जाता है। जलवायु परिवर्तन की समस्या बढ़ रही है। 2050 तक लगभग 40% से अधिक मीठे पानी की समस्या बढ़ जाएगी। इन सभी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए विश्व के लगभग 6000 से अधिक विशेषज्ञों के साथ तीन दिवसीय सम्मेलन का आयोजन हुआ।

गजेन्द्र सिंह शेखावत (केबिनेट मिनिस्टर, मिनिस्ट्री ऑफ जल शक्ति) के साथ विचार समिति की सचिव आकांक्षा मलैया

हम जितना प्रकृति से जुड़ेंगे उतना ही उसके लिए कार्य करेंगे : आकांक्षा मलैया

संयुक्त राष्ट्र न्यूयॉर्क की बैठक में राजेन्द्र सिंह वाटर मेन ऑफ इंडिया, डॉ. जैकसिम फाउंडर ऑफ वर्ल्ड टॉयलेट आर्गेनाइजेशन

गोलमेज चर्चा के दौरान बतौर स्पीकर समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने 'जल क्रिया के माध्यम से एक सतत् जल अर्थव्यवस्था के लिए समाधान, सहयोग और युवा जुड़ाव विषय' पर अपने विचार रखे। उन्होंने समुद्री और तटीय पर्यटन पर कहा कि सभी पर्यटन प्रकृति आधारित रूप जिसमें पर्यटकों की मुख्य प्रेरणा के साथ प्राकृतिक क्षेत्रों से जोड़ें। हम जितना प्रकृति से जुड़ेंगे उतना ही उसके लिए कार्य करेंगे। विचार समिति के द्वारा पर्यावरण संरक्षण के लिए किए गए प्रयासों जिसमें वृक्षारोपण, विजट करवाना आदि को बैठक में साझा किया।

पूर्ण सत्र के अलावा, पांच संवादात्मक संवाद भी हुये :

1. स्वास्थ्य के लिए पानी
2. पानी सतत् विकास के लिए
3. जलवायु, लचीलापन और पर्यावरण के लिए पानी
4. पानी के लिए सहयोग
5. जल क्रिया दशक सम्मेलन के दौरान चार उच्च-स्तरीय विशेष कार्यक्रम होंगे।

संयुक्त राष्ट्र 2023 जल सम्मेलन में प्रमुख आयोजक : एलेक्सिस फाउंडेशन, **सह-आयोजक:** ईसीपीडी, यूएन यूनिवर्सिटी फॉर पीस थे। एलेक्सिस फाउंडेशन भारत का अग्रणी और सबसे विविध युवाओं के नेतृत्व वाला थिंक टैंक है।

नई दिशा - नई पहल

क्वेस्ट एलाइंस एवं विचार समिति के सहयोग से सात महिलाओं ने बढ़ाए स्वरोजगार के क्षेत्र में कदम

सात महिलाओं को 15000 रु. की सहायता, 30 महिलाओं को और मिलेगा लाभ

महिलाओं को सामाजिक-आर्थिक रूप से सशक्त बनाने, जागरूक करने के लिये समिति मोहल्ला विकास योजना पिछले वर्षों से संचलित कर रही है। स्वसहायता समूहों के गठन के माध्यम से सरकारी लोककल्याणकारी योजनाओं को पहुंचाना, ग़ैरसरकारी संगठनों को जोड़ना साथ ही प्रशिक्षण, रोजगार कौशल, डिजिटल साक्षरता और प्रवाह, कार्यस्थल की तैयारी जैसे रचनात्मक समस्या समाधान और निर्णय लेने में डेटा उपयोग, कैरियर प्रबंधन कौशल, विकास की मानसिकता एवं प्रशिक्षुओं के लिए कैरियर यात्रा की पहचान करने और योजना कुशलताओं में दक्षता के साथ आर्थिक मदद करना है। क्वेस्ट एलाइंस कार्यक्रम सहयोगी पल्लवी मिश्रा ने जानकारी देते हुए कहा विचार समिति ने स्वरोज़गार के लिए 15 महिलाओं का चयन किया था जिसमें 7 महिलाओं के लिए 15000 हजार रूपये की आर्थिक सहायता दी गई। स्वरोजगार के लिए 30 महिलाओं का चयन कर रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ाया जायगा। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने जानकारी देते हुए कहा इन सभी महिलाओं को रोजगार से जोड़ने से पूर्व आंकलन, रुचियाँ, उनकी आर्थिक स्थिति, महत्वपूर्ण बिंदुओं को परखा तद्पश्चात आर्थिक रूप से सहायता करना, निरंतर देखरेख के साथ आगे बढ़ाना है।

संध्या राय : दोना बनाकर की स्वरोजगार की शुरुआत

संध्या राय ने दोना की मशीन से स्वरोजगार की शुरुवात की है। तिलकगंज निवासी संध्या राय कहती है, आर्थिक तंगी से परिवार की सामान्य जरूरतें पूरी नहीं हो पाती है कमाने को पति ही थे। पिछले माह मैने स्वरोजगार से जुड़े प्रशिक्षण में हिस्सा लिया। स्वरोजगार क्या है, कैसे करना है, सीखा। पिछले माह से दोना-पत्तल बनाना शुरू किया। मशीन पूरी तरह ओटोमेटिक है। कच्चा बना रोल काट कर रखते जाते है। दोना बनते जाते है। इस कार्य में पूरे परिवार का सहयोग मिलता है। ख़रीदने का एक वर्ष का एग्रीमेंट कम्पनी के साथ है। उसके साथ-साथ स्थानीय दुकानों पर बात की है। 5000 से 10000 रूपये की मासिक आय हो सकती है।

प्रभा साहू : ब्यूटी पार्लर से कमा रहीं 4 से 5 हजार रूपए प्रतिमाह

भगवानगंज निवासी प्रभा साहू शुरू से ही उद्यमिता की राह पर हमेशा से प्रयासरत् रहीं है। प्रशिक्षण में उन्होंने अपनी रुचियों को और बेहतर तरीकों से जाना। ब्यूटी पार्लर से स्वरोजगार स्थापित किया है। जिसमें प्रभा चार- पांच हजार रूपये प्रति माह कमा सकेगी। इसके अलावा शादियां के आर्डर मिलते तो कमाई और बढ़ जाती है। इसके साथ-साथ आस-पास की किशोरियों को प्रशिक्षित करती हैं। प्रभा कहतीं है मुझे बहुत ख़ुशी है, आर्थिक सहयोग से काम और बढ़ाने में मदद मिली।

ममता अहिरवार : साड़ियों को आजीविका के रूप में चुना

तुलसीनगर निवासी ममता अहिरवार ने साड़ियों को आजीविका के रूप में चुना है। उनकी ग्राहक सविता अहिरवार संतोषपुरा वार्ड कहती हैं अच्छे दामों पर अब साड़िया यहीं मिल जाती हैं। बाज़ार जाने की जरूरत भी नहीं पड़ती, समय भी बचता है। साड़ियों के साथ-साथ यही पूरा कार्य जैसे पीकू, फॉल, ब्लाउज, अस्तर आदि का कार्य कर लेते है। मैं बहुत खुश हूं।

अनीता चौधरी : जनरल स्टोर से की स्वरोजगार की शुरुआत-

अनीता चौधरी से बात करते ही उनकी ख़ुशी का अंदाजा लगाया जा सकता है। कहती है एक छोटे से कोने से उन्होंने काम शुरू किया था आज उनकी पूरी दुकान कई आइटम से भरी हुई है। आस-पास के क्षेत्र की महिलाओं को उनकी जरूरत का सामान मिल जाता है। कहती है तीन दिवसीय प्रशिक्षण में ग्राहकों की पहचान करना, उनकी आवश्कताओं, बाज़ार व्यवस्था, व्यवहार कुशलता को जाना था। सामान्यत: हर आइटम पर 5 से 10 रूपये तक बच जाते। सभी ख़र्चे काटकर 6 से 10000 रूपये तक बच जाते है। मेरा मानना है कि न सिर्फ महिलायें स्वरोजगार से जुडी बल्कि उनके आत्मविश्वास, चीजों और दुनियादारी के मायनों की समझ विकसित हुई। यह बहुत अच्छी शुरुवात है।

रचना पटैल ने पीकू फाइल मशीन, रामकली पटैल ने पीकू फाइल मशीन और सिलाई मशीन, लक्ष्मी पटैल ने किराना दुकान के साथ अपना स्वरोजगार स्थापित किया। प्रशिक्षण में लगभग 29 महिलाओं ने हिस्सा लिया था। 15 महिलाओं का चयन कर 7 महिलाओं को 15000 की राशि स्वीकृत हुई। महिलाएं स्वयं का व्यवसाय शुरू कर सकें उनकी योग्यता एवं रूचि के अनुसार उनके व्यवसाय से संबंधित उपकरण-सामग्री को खरीदना एवं स्थापित करवाना मुख्य पड़ाव रहा। सभी के लिए दिशा-निर्देशन उनकी कठिनाइयों को जानना-समझना निरंतर जारी है।

पूजा प्रजापति, परियोजना सहयोगी

उत्कृष्ट सेवाओं के लिए जन परिषद सागर चैप्टर ने किया सम्मानित

मिसेज इंडिया इंटरनेशनल क्वीन सुश्री अमृत कौर ने समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत और उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया का सम्मान किया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करने वाली संस्था जन परिषद के सागर चैप्टर के संस्थापन व उत्कृष्ट प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली प्रतिभाओं का सम्मान किया गया। इस अवसर पर विचार समिति की उत्कृष्ट सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। यह सम्मान विचार समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत व उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया द्वारा लिया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि अमृत कौर ने डॉक्टर हरिसिंह गौर की ख्याति और उनके दानवीरता को श्रेष्ठ कथन उनके पद पर चलने की बात दोहराई। जन परिषद राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संस्था है जो विगत 34 वर्षों से सामाजिक एवं रचनात्मक कार्यों में सक्रिय होने के साथ-साथ कई ऐतिहासिक एवं अभूतपूर्व संदर्भ ग्रंथों का प्रकाशन कर चुकी है। कार्यक्रम के अंत में सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले संस्थानों, व्यक्तियों का सम्मान किया गया।

एक वर्ष पूर्ण होने पर मूल्यांकन परीक्षाएं संपन्न

विचार समिति व लीफी द्वारा पिछले एक वर्ष से “लीफी फेलोशिप चेंजमेकर्स अभियान” शैक्षिक गुणवत्ता, निरंतरता लाने पर कार्य कर रही है। एक वर्ष मूल्यांकन परीक्षाएं संपन्न हुई इसके उपरांत सभी बच्चों के माता-पिता के अभिभावको की बैठक ली गई जिसमें अभिभावकों के लिए बच्चों का परीक्षा प्रदर्शन को साझा किया गया। अभिभावकों ने बच्चों के ज्ञानात्मक सुधार की अनुशंसा की। बच्चों में शब्द पहचान, सामान्य जोड़-घटाना आदि बखूबी सीखा। परियोजना सहयोगी पूजा लोधी ने अभिभावकों से बच्चों के लिए समय देने की बात रखी। उन्होंने कहा कि बच्चों की जिज्ञासा शांत करें, हमारे प्रयास के साथ आपके प्रयास से ही उनके जीवन में मूलभूत अंतर आ सकेगा। यह परीक्षा मूल्यांकन 5 समुदायों में संम्पन हुआ।

विचार समिति कार्यालय में 'हेल्थ केयर' पुस्तक का विमोचन

शारीरिक समस्याओं के साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें तो सुखी जीवन जी सकते हैं : डॉ. जैन

विचार समिति कार्यालय में पुस्तक का विमोचन करते हुए पदाधिकारी।

विचार समिति कार्यालय में 'हेल्थ केयर' (स्वास्थ्य सुविधाओं के हर पहलू को कवर करने वाला शोध कार्य) पुस्तक का विमोचन किया गया। 'हेल्थ केयर' पुस्तक की लेखिका रिसर्च एण्ड डॉक्यूमेंटेशन हेड वंशिका महाना एवं विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया है।

आज के समय में बदलती जीवन शैली और पर्यावरण प्रदूषण के कारण शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से विभिन्न रोग बढ़ते जा रहे हैं। यदि हम सिर्फ शारीरिक समस्याओं को ध्यान देने के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेंगे तो सुखी और समृद्ध जीवन जी सकेंगे। हम सिर्फ बीमार होने पर ही अपने स्वास्थ्य की ओर ध्यान देते हैं।

यदि स्वस्थ आदमी थोड़े प्रयास करें तो वह रोगों से दूर ही रहेगा। उक्त विचार विमोचन करते हुए डॉ.अवनीश जैन अन्तरराष्ट्रीय वास्तु एवं पर्यावरण विद् ने रखे ।

विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने पुस्तक के मुख्य पहलुओं के बारे में बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है। स्वस्थ व्यक्ति के अनुवांशिक, जीवन शैली और पर्यावरण की जटिल संबंधों को दर्शाता है। जैसा कि आम तौर पर एक व्यक्ति का स्वास्थ्य दो बातों पर निर्भर करता है निर्धारक और हस्तक्षेप। पुस्तक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र पर किए गए विस्तृत शोध को शामिल किया गया है। यह ग्रामीण भारत में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा संचालित प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करती है। कोविड-19 और इसके प्रभाव के बारे में बहुत सी जानकारी सम्मलित है। इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, भाग्य श्री राय, राहुल अहिरवार, रविंद्र ठाकुर, विनय चौरसिया, पूजा प्रजापति, रितु पटेल, पूजा लोधी आदि उपस्थित थीं।

विचार समिति आत्मा फाउंडेशन के कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का हिस्सा बनी

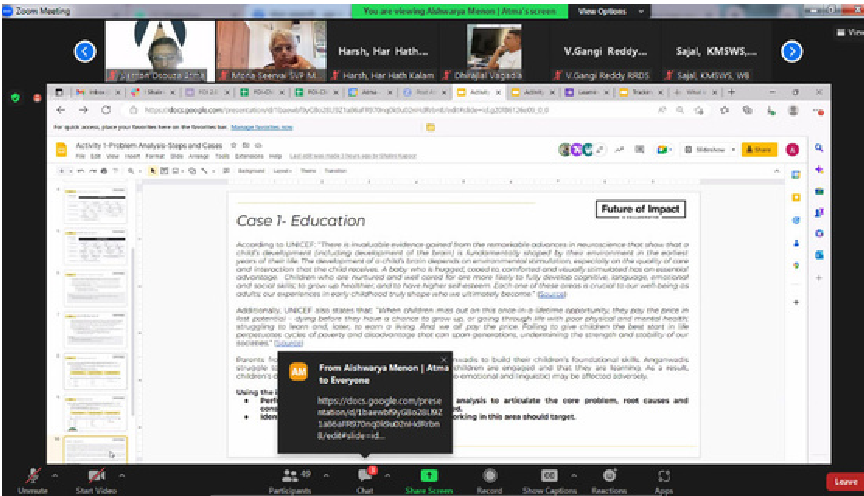

वर्चुअल माध्यम से हुई जमीनी मुद्दों पर चर्चा।

2.0 कॉमन मिनिमम प्रोग्राम का उद्देश्य शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े गैर-सरकारी संगठनों का समर्थन करना, उन्हें टिकाऊ और स्केलेबल संगठनों में बदलना। उच्च क्षमता वाले संगठनों को उच्च प्रभाव वाले संगठनों में बदलकर उन्हें ज़रूरतमंद बच्चों तक पहुंचाने में सक्षम बनाना है। कॉमन मिनिमम प्रोग्राम 'कॉमन मिनिमम कैपेसिटी' के निर्माण पर ध्यान केंद्रित, देश में सामाजिक क्षेत्र में बढ़ने के लिए सबसे जरूरी महत्वपूर्ण संगठनात्मक क्षमताओं का विकास करने के कार्यक्रम पर ध्यान दिया जाता है।

- वित्तीय योजना और प्रबंधन प्रणाली को मजबूत करना।
- कार्यक्रम के डिजाइन और वितरण को मजबूत करें।
- प्रतिभा को आकर्षित और प्रबंधित करें।
- धन उगाहने में अधिक प्रभावी बनें।
- एक डिजिटल उपस्थिति स्थापित करें।

आत्मा फाउंडेशन के बारे में - आत्मा फाउंडेशन त्रिशूर, केरल में स्थित एक स्वैच्छिक संगठन है। जो एक गंभीर सामाजिक समस्या को दूर करने के लिए एक रचनात्मक प्रतिक्रिया के रूप में शुरू हुआ। प्रारंभिक उद्देश्यों में युवाओं के बीच मनो सामाजिक नकारात्मकता को दूर करने के साथ, आत्महत्या, किशोर अपराध, महिलाओं के खिलाफ हिंसा और नशीले पदार्थों के सेवन से दूर करना था। यह संगठन सशक्तिकरण, परिवार कल्याण और सामुदायिक विकास के लिए काम कर रहा है। आत्मा फाउंडेशन के पास बाल संरक्षण, शिक्षा, अधिकारिता, परिवार कल्याण, कला और संस्कृति, डिजिटल और वित्तीय सशक्तिकरण, आपदा राहत और पुनर्वास जैसे क्षेत्रों में 10 परियोजनाएं, 6 प्रमुख अभियान और नियमित कार्यक्रम हैं। आत्मा फाउंडेशन विकास क्षेत्र, मध्यस्थों, भविष्य के प्रभाव और सहयोग का आयोजन करता है। यह संगठन शिक्षा में सुधार के मार्ग को प्रशस्त के साथ सभी बच्चों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने पर कार्य करता है।

नितांई ग्रुप व समिति ने शैक्षणिक संस्थानों में स्वरोजगार का दो दिवसीय आयोजन किया

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत सहोद्राराय पॉलिटेक्निक कालेज में छात्रों को स्वरोजगार के क्षेत्र की जानकारी दी गई।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रोजगार सृजन केंद्र सागर, निताई ग्रुप और विचार समिति ने सहोद्राराय पॉलिटेक्टिक के एनएसएस शिविर का आयोजन ग्राम मेनपानी में किया गया। विभिन्न विद्यालयों, महाविद्यालयों और स्कूलों में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया। जिसमें युवाओं को रोजगार स्वरोजगार करने हेतु प्रेरित किया और सागर जिले के विभिन्न युवा उद्यमियों का सम्मान किया गया। साथ ही युवाओं को अभियान के तीन मुख्य लक्ष्यों को बताया -

- भारत को गरीबी मुक्त बनाना।
- पूर्ण रोजगार युक्त बनाना।
- भारत को विश्व की आर्थिक महाशक्ति बनाना है।

कार्यक्रम आयोजक विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया (प्रांतीय टोली सदस्य) ने स्वावलंबी भारत अभियान और रोजगार सृजन की विस्तृत जानकारी दी एवं सागर के उद्यमियों का परिचय दिया।

सागर में युवाओं द्वारा किए जा रहे ऑनलाइन व्यापार की जानकारी देते हुए सागर में छुपे हुए अवसरों से निताई ग्रुप अमोल पटेल ने अभियान की संपूर्ण जानकारी दी साथ ही कार्यक्रम में रोजगार सृजन केंद्र से जिला समन्वयक राजकुमार नामदेव ने बताया कि स्वावलंबी अभियान से जुड़ने के लिए डिजीटल प्लेटफार्म www.mysba.com.in साइड पर आपके लिए विस्तृत जानकारी मिल जाएगी। उन्होंने लोकल फॉर वोकल अपनाने पर जोर दिया।

पूर्ण कालिक कार्यकर्ता रवींद्र सिंह ठाकुर, पॉलीटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य वाय. पी.सिंह, शिक्षक एवं विद्यार्थी सहित अनेकों उद्यमियों की उपस्थिति रही जिसमें सभी युवाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और भारत को पुनः महान बनाने के संकल्प को पूरा करने हेतु प्रेरणा ली। कार्यक्रम में उद्यमीयो अभिषेक सराफ, शैलेंद्र सोनी, भूपेंद्र सिंह गौड़ का का सम्मान भी किया गया।

अंग्रेजों को भगाने के लिए जैसे अभियान चलाया था वैसे ही बेरोजगारी मुक्त भारत के लिए संकल्प लेना होगा : कपिल मलैया

आईटीआई में उद्यमिता एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रोजगार सृजन केंद्र सागर द्वारा संभागीय आईटीआई में उद्यमिता एवं स्वरोजगार आधारित कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। जिसमें आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि अमोल पटेल निताई ग्रुप, स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया एवं युवा व्यवसायी विक्रम पटवा, युवा महिला उद्यमी श्रीमति पूजा तिवारी (जावा एजेंसी) शामिल हुए। अमोल पटेल द्वारा उद्यमी बनने एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए स्वयं के स्टार्टअप का उदाहरण देते हुए उन्हें इस क्षेत्र में मौजूदा अवसरों के लाभ उठाने के लिए प्रेरित एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। मार्गदर्शक कपिल मलैया द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन केंद्र विचार समिति कार्यालय तिलकगंज में स्थित है। यहां पर आकर स्वरोजगार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैसे अंग्रेजों को भगाने के लिए अभियान चलाया था वैसे ही बेरोजगारी मुक्त भारत के लिए हमें संकल्प लेना होगा। कार्यक्रम में सहायक संचालक प्रमेन्द्र शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में पूर्ण कालिक कार्यकर्ता रविन्द्र ठाकुर, अदिति मिश्रा एवं समस्त आईटीआई के स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

सफल उद्यमियों का परिचय - विक्रम पटवा ने चार वर्ष तक फ्री में सीए का कार्य सीखा। डेढ़ वर्ष पहले महादेव कंसलटेंसी नामक एक फार्म स्थापित कर जीएसटी/इनकम टैक्स एकाउंटिंग का आफिस खोला। 100 से अधिक ग्राहकों को सेवाएं देने लगे। आज एक लाख रुपये से अधिक आमदनी है। 5 लोगों को रोजगार दिया। पूजा तिवारी ने जावा बाइक शोरूम के साथ इलेक्ट्रिक बाइक एवं इलेक्ट्रिक 3 वीकल शोरूम भी स्थापित करने जा रही हैं। पिछले डेढ़ वर्ष में अपनी बेहतर सेवाओं के बूते 165 जावा बाइक बेंच चुकी हैं।

NITAI GROUP OF SCHOOLS
DAMOH (M.P.)
विद्या धनं महा धनं
THE NEW RAY OF HOPE

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

SCHOOL RUN BY
VICHAR SAMITI

An ISO 9001-2001 Certified Org

निताइ प्ले स्कूल एवं कोचिंग सेंटर

AN INITIATIVE OF NITAI GROUP

भारत की अखण्ड संस्कृति शिक्षा पद्धति पर आधारित बच्चों के

उज्जवल भविष्य

हेतु प्रतिबद्ध

WE MAKE YOUR CHILD SMART

प्ले स्कूल एवं नर्सरी से आठवीं तक

हमारा उद्देश्य

भारत को 21वी सदी का सर्वश्रेष्ट सर्वसंपन्न विश्व गुरु राष्ट्र बनाने हेतु सभी विधार्थियों को शारीरिक, मानसिक, सामाजिक व आध्यात्मिक रूप से पूर्ण स्वस्थ बनाना।

हमारा लक्ष्य

विधार्थियों के लिए एक ऐसा मंच तैयार करना जहा सभी मिलकर एक दूसरे की मदद करते हुए परिवार, समाज, राष्ट्र व विश्व की उन्नति हेतुअग्रसर होकर अपने जन्म के सार्थक बनाये व परोपकार करे

EDUCATION

YOGA

MUSIC

PAINTING

GAMING

DANCE

सबसे कम फीस

उच्च गुणवत्तापूर्ण शिक्षा

प्रवेश प्रारंभ सीमित स्थान

पता :- ग्राम मनेसिया, पोस्ट नरयावली, सागर
मो. नं. 8458838155, 9343305665, 6267532851

मीडिया कवरेज

सागर

विचार समिति कार्यालय में हेल्थ केयर पुस्तक का विमोचन

शारीरिक समस्याओं पर ध्यान देने के साथ मानसिक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें तो जीवन सुखी बनेगा : डॉ. जैन

भास्कर संवाददाता | सागर

आज बदलती जीवन शैली और पर्यावरण प्रदूषण के कारण शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से विभिन्न रोग बढ़ते जा रहे हैं। यदि हम सिर्फ शारीरिक समस्याओं को ध्यान देने के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेंगे तो सुखी और समृद्ध जीवन जी सकेंगे। बीमार होने पर ही स्वास्थ्य की ओर हमारा ध्यान जाता है। यदि स्वस्थ आदमी थोड़े प्रयास करें तो वह रोगों से दूर रहेंगे। यह बात अंतरराष्ट्रीय वास्तु एवं पर्यावरणविद् डॉ. अवनीश जैन ने कही। वे गुरुवार को विचार समिति कार्यालय में हेल्थ केयर (स्वास्थ्य सुविधाओं के हर पहलू को कवर करने वाला शोध कार्य) पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। पुस्तक की लेखिका रिसर्च एंड डॉक्यूमेंटेशन हेड वंशिका महाना एवं विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया हैं। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने कहा कि स्वास्थ्य पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है। आम तौर पर एक व्यक्ति का स्वास्थ्य दो बातों पर निर्भर करता है निर्धारक और हस्तक्षेप। पुस्तक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र पर किए गए विस्तृत शोध को शामिल किया गया है। यह ग्रामीण भारत में गैर-सरकारी संगठनों द्वारा संचालित प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करती है। कोविड-19 और इसके प्रभाव के बारे में काफी जानकारी इसमें शामिल है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े छात्रों, युवाओं, पेशेवरों, शोधकर्ताओं अन्य सभी के लिए उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, भाग्यश्री राय, राहुल अहिरवार, रविंद्र ठाकुर, विनय चौरसिया सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विचार समिति कार्यालय में हेल्थ केयर पुस्तक का विमोचन

शारीरिक समस्याओं के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें तो सुखी जीवन जी सकते हैं: डॉ. अवनीश जैन

इवनिंग मिरर.सागर। विचार समिति कार्यालय में हेल्थ केयर स्वास्थ्य सुविधाओं के हर पहलू को कवर करने वाला शोध कार्य पुस्तक का विमोचन किया गया। हेल्थ केयर पुस्तक की लेखिका रिसर्च एण्ड डॉक्यूमेंटेशन हेड वंशिका महाना एवं विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया है।

आज के समय में बदलती जीवन शैली और पर्यावरण प्रदूषण के कारण शारीरिक, मानसिक एवं भावनात्मक रूप से विभिन्न रोग बढ़ते जा रहे हैं। यदि हम सिर्फ शारीरिक समस्याओं को ध्यान देने के साथ मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य का भी ध्यान रखेंगे तो सुखी और समृद्ध जीवन जी सकेंगे। हमें सिर्फ बीमार होने पर ही अपने स्वास्थ्य की ओर हमारा ध्यान जाता है। यदि स्वस्थ्य आदमी थोड़े प्रयास करें तो वह रोगों से दूर ही रहेगा। उक्त विचार विमोचन करते हुए डॉ. अवनीश जैन अन्तरराष्ट्रीय वास्तु एवं पर्यावरण विद् ने रखे। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने पुस्तक के मुख्य पहलुओं के बारे में बताते हुए कहा कि स्वास्थ्य पूर्ण शारीरिक, मानसिक और सामाजिक कल्याण की स्थिति है। स्वास्थ्य व्यक्ति के अनुवांशिक, जीवन शैली और पर्यावरण की जटिल संबंध को दर्शाता है। जैसा कि आम तौर पर एक व्यक्ति का स्वास्थ्य दो बातों पर निर्भर करता है निर्धारक और हस्तक्षेप। पुस्तक में भारत के स्वास्थ्य क्षेत्र पर किए गए विस्तृत शोध को शामिल किया गया है। यह ग्रामीण भारत में गैर.सरकारी संगठनों द्वारा संचालित प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करती है। कोविड-19 और इसके प्रभाव के बारे में बहुत सी जानकारी सम्मलित है। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र से जुड़े छात्रों, युवाओं, पेशेवरों, शोधकर्ताओं अन्य सभी के लिए उपयोगी साबित होगी। इस अवसर पर समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत, भाग्य श्री राय, राहुल अहिरवार, रविंद्र ठाकुर, विनय चौरसिया, पूजा प्रजापति, रितु पटेल, पूजा लोधी आदि उपस्थित थीं।

उद्यमिता व स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया

सागर, देशबन्धु। स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रोजगार सृजन केंद्र सागर द्वारा संभागीय आईटीआई सागर में 17 मार्च 12 से 1 बजे उद्यमिता एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एवं मुख्य अतिथि अमोल पटेल निताई गुप, स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया एवं युवा व्यवसायी विक्रम पटवा, युवा महिला उद्यमी श्रीमति पूजा तिवारी जावा एजेंसी शामिल हुए। अमोल पटेल द्वारा उद्यमी बनने एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए स्वयं के स्टार्टअप का उदाहरण देते हुए उन्हें इस क्षेत्र में मौजूदा अवसरों के लाभ उठाने के लिए प्रेरित एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम में सहायक संचालक प्रमेन्द्र शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का आभार प्रकट किया गया। कार्यक्रम के आयोजन में रविन्द्र ठाकुर, अदिति मिश्रा एवं समस्त आईटीआई के स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

प्रशिक्षणार्थियों को दिए रोजगार और स्वरोजगार के टिप्स, योजनाओं को समझाया

आईटीआई में उद्यमिता एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

सागर। स्वावलंबी भारत अभियान के तहत रोजगार सृजन केंद्र सागर द्वारा संभागीय आईटीआई में शुक्रवार को उद्यमिता एवं स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता अमोल पटेल निताई ग्रुप ने उद्यमी बनने एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए स्वयं के स्टार्टअप का उदाहरण दिया। उन्होंने इस क्षेत्र में मौजूदा अवसरों के लाभ उठाने के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया। स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांतीय टोली सदस्य कपिल मलैया ने प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार के लिए विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि रोजगार सृजन केंद्र विचार समिति कार्यालय तिलकगंज में स्थित है। यहां पर आकर स्वरोजगार संबंधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कार्यक्रम को युवा व्यवसायी विक्रम पटवा, महिला उद्यमी पूजा तिवारी (जावा एजेंसी) ने भी संबोधित किया। आभार सहायक संचालक प्रमेंद्र शर्मा ने माना। आयोजन में रविन्द्र ठाकुर, अदिति मिश्रा एवं आईटीआई स्टाफ ने योगदान दिया।

प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं दी जानकारी

सागर। शासकीय आईटीआई सागर में आज दोपहर 12:00 से 1:30 बजे उद्यमिता और स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें आईटीआई के प्रशिक्षणार्थियों को रोजगार एवं स्वरोजगार संबंधी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कपिल मलैया, अमोल पटेल, युवा व्यवसायी विक्रम पाटकर (इंकम टैक्स जीएसटी कंसल्टेंट) एवं युवा महिला उद्धमी श्रीमति पूजा तिवारी, जावा एजेसी उपस्थित थी। अमोल पटेल द्वारा युवाओं को उद्धमी बनने एवं स्वरोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए स्वयं के स्टार्टअप का उदाहरण देते हुए। उन्हें इस क्षेत्र में मौजूदा अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। कपिल मलैया एवं पूजा तिवारी द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को स्वरोजगार हेतु विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

हमारे सहयोगी

O.P. Jindal Global University
A Private University Promoting Public Service

TISS
Re-Imagining Futures
Tata Institute Of Social Sciences

UPES
University of the Future

BHU
Banaras Hindu University

QUEST ALLIANCE

Goodera

ConnectAID
The International Solidarity Network

learning initiatives for india

meraadhikar
one nation. one platform

Lyvefresh®

TechPose

BENNETT UNIVERSITY
TIMES OF INDIA GROUP

Academia for Sustainable Development

Policy Research Foundation
PRF

NCD
NAVJIVAN CENTER FOR DEVELOPMENT
We Design Your Growth Story

danamojo
experience the magic of giving

IIMT
Group of Colleges
Greater Noida • Meerut
— Aim For Excellence —

Dr. H.S. Gour University
Sagar [M.P.]

THE ART OF LIVING®

Rotary
Club of Sagar

STEP-AHEAD
Fellowship Preparation-Support
MGNF, Gandhi Fellow, Urban Fellow, SBI Youth, TFI etc.

Indian Institute of Management
Rohtak

भारत विकास परिषद्
Bharat Vikas Parishad
Sagar [M.P.]

ISRN

Edu-Vitae Services
JOIN! LEARN! ACHIEVE!

India is Us!
i2u Social Foundation

संजीवनी बाल आश्रम

For HER Foundation
Hygiene | Empowerment | Respect

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्र में दान देकर इस मुहिम को आगे बढाने में सहयोग करें ।
दान राशि बैंक खाते में डालने हेतू जानकारी इस प्रकार है ।

Bank - State Bank of India
Bank A/c Name - Vichar Samiti
Account No. - 37941791894
IFSC Code - SBIN0000475

Paytm/Phonepe/Googlepay आदि से दान करने के लिए QR कोड को स्कैन करे ।

cfpay.dmvicharsamiti@icici

-: संपर्क :-

+91 95757 37475
linkedin.com/in/vichar-samiti
samiti.vichar@gmail.com
www.vicharsamiti.in
Sagar, Madhya Pradesh India

संपादक - आकांक्षा मलैया, प्रबंधक व प्रकाशक - विचार समिति, स्वामित्व - विचार समिति, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर (म.प्र.), पिन-470002
मुद्रण - तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट, पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली, रामपुरा वार्ड, सागर